Lecture No. 24

Date: 24.07.2020

Subject. History

By:- Dr. Madan Paswan
Assistant Professor.

Class :- B.A. Part-I (Hons.) Paper-Ist

Syllabus : Unit-I : Background and Beginning
(iii) हड़प्पा सभ्यता (Harappan Civilization).

भारत के संदर्भ में आद्य इतिहास से उस युग का संकेत दिया जाता है जो खाद्य-उत्पादन के आरंभ से 600 ई०पू० के आसपास गंगा घाटी के आरंभिक ऐतिहासिक युग की शुरूआत के बीच में आता है। यह एक विस्तृत काल है, जिसके अन्तर्गत अनेक पुरातात्विक संस्कृतियाँ समाहित हैं— हड़प्पा सभ्यता इन्हीं में से एक सबसे विस्तृत तथा प्राचीनकाल के अपने समकालीन विश्व में सबसे विकसित नगरीय सभ्यता थी। ताम्रपाषाणिक पृष्ठभूमि पर सिन्धु घाटी नामक सभ्यता का आविर्भाव हुआ। जिसका केन्द्र बिन्दु भारतीय महाद्वीप का पश्चिमोत्तर भाग था। हड़प्पा टीले का सर्वप्रथम उल्लेख 1826 ई० में चार्ल्स मैसन द्वारा किया गया। परन्तु इस सभ्यता का रहस्योद्घाटन 1856 ई० में कराची और लाहौर के बीच रेल पटरी बिछाने के दौरान हुआ, जब जॉन ब्रन्टन और विलियम ब्रन्टन ने दो प्राचीन नगरों का पता लगाया।

नामाकरण :

सिन्धु सभ्यता के लिए तीन नामों का प्रयोग किया जाता है—

(a) सिन्धु सभ्यता,
(b) सिन्धु घाटी की सभ्यता,
(c) हड़प्पा सभ्यता।

तीनों ही नाम तर्कसंगत हैं, क्योंकि इनमें से प्रत्येक शब्द की अपनी पृष्ठभूमि है। इस सभ्यता के अधिकतर स्थल एवं इस क्षेत्र की मुख्य नदियाँ, सिन्धु घाटी के क्षेत्र एवं सिंध प्रान्त के आसपास अवस्थित हैं। अतः इस सभ्यता को सिन्धु सभ्यता या सिन्धु घाटी की सभ्यता कहा जाता है। परन्तु पुरातत्ववेत्ता

Continue.....

By: Dr. Madan Paswan
Sub.: History.

Date: 24.07.20
8709493720.
drpmadanhst@gmail.com

इसे हड़प्पा सभ्यता ही कहना पसन्द करते हैं तथा यह नाम ही सार्वजनिक तौर पर ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, क्योंकि सर्वप्रथम 1921 ई० में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित हड़प्पा (माउण्टगोमरी जिला) स्थल पर ही दयाराम साहनी और माधवस्वरूप वत्स के नेतृत्व में उत्खनन कार्य किया गया। पुरातत्व विभाग द्वारा इस सभ्यता का दूसरा महत्वपूर्ण स्थल मोहनजोदड़ो (मृतकों का टीला), जो पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त के लरकाना जिले में स्थित है, का उत्खनन कार्य 1922 ई० में रखालदास बनर्जी के नेतृत्व में आरंभ हुआ। उत्खनन के बाद 1924 ई० में भारतीय पुरातत्व विभाग के तत्कालीन महानिदेशक सर जॉन मार्शल ने सिन्धु सभ्यता नामक एक उन्नत नगरीय सभ्यता की विधिवत घोषणा की। रेडियो कार्बन 14 विश्लेषण तथा नवीन अनुसंधानों के आधार पर इस सभ्यता की तिथि 2500 – 1750 ई० पू० निर्धारित की गई है। यद्यपि हड़प्पा सभ्यता के लगभग 1000 स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त हो चुकी है। लेकिन इनमें से केवल 6 को ही नगर माना जाता है। ये नगरें हैं :–

(क) हड़प्पा,
(ख) मोहनजोदड़ो,
(ग) चन्हुदड़ो,
(घ) कालीबंगा,
(ङ) लोथल और
(च) बनवाली।

हड़प्पा सभ्यता का कालानुक्रम :– (1.) पूर्व हड़प्पा सभ्यता (नवपाषाणयुग) – (5500 ई०पू० – 3500 ई०पू०) – मुख्य स्थल – बलूचिस्तान, मेहड़गढ़ और कीली गुल मुहम्मद।

(2.) आरंभिक हड़प्पा सभ्यता – (3500 – 2600 ई०पू०) – इसकी मुख्य विशेषताएँ – चाक और हल का प्रयोग।

(3.) पूर्ण विकसित हड़प्पा सभ्यता (2600 – 1800 ई०पू०) – विशेषताएँ – पकी ईंटों, एक समान तौलने के बाट, विकसित नगर योजना।

(4.) उत्तर हड़प्पा सभ्यता (1800 – आगे ई०पू०) – विशेष – लेखन

Continue.....